दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, बुधवार 05 जनवरी 2022 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 99

देश में 24 घंटे में 37,379 नए मामले, 124 मरीजों की मौत

» ओमिक्रॉन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,892 हुई

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना के नए केसों में विस्फोट का दौर अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। या इस कहर कहर को कोरोना की तीसरी लहर भी कहा जाने लगा है। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना संक्रमण के 37,379 नए मामले सामने आए, जबकि इस दौरान संक्रमण के कारण 124 मरीजों की मौत भी दर्ज की गई है। दूसरी ओर अब देश में उपचाराधीन सक्रीय मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ो के अनुसार देश में पिछले छह दिनों में नए मरीज छह गुना बढ़े हैं। भारत में कोरोना के नए मरीजों के मिलने की रफ्तार तेज होती जा रही है। कोरोना के सक्रिय मामलों ने भी सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे में

नए मामलों से एक तिहाई यानि 11,007 लोग ही स्वस्थ्य हो चुके हैं, जबकि पिछले सप्ताह रिकवर होने वालों की दैनिक संख्या नए मामलों से ज्यादा ही रही है। इसे देखते हुए कोरोना की तीसरी लहर का असर शुरू होने की बात कही जा रही है। जबकि देश भर में कोरोना के सक्रिय मामले तेजी से बढ़ते हुए 1,71,830 हो गए हैं। कोरोना केसों में तेजी डराने वाली है और कई राज्यों में इससे निपटने के लिए प्रतिबंधों की शुरुआत हो चुकी है। देश में कोरोना के नए केसों में लगातार तेजी के चलते डेली पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 3.24 प्रतिशत हो गया है, जबकि वीकली रेट 2.05 प्रतिशत है। प्रतिशत के लिहाज से देखें तो अब तक मिले कोरोन केसों के मुकाबले एक्टिव केस 0.49 प्रतिशत ही हैं। लेकिन नए केसों में जिस तरह से तेजी देखने को मिल रही है, उससे यह आंकड़ा जल्दी ही बढ़ सकता है। यही नहीं नए केसों में तेजी के चलते रिकवरी रेट भी लगातार घट रही है। फिलहाल स्वस्थ होने वाले मरीजों की कुल संख्या की बात करें तो 3,43,06,414 हो गई और ठीक होने वालों का राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.13 प्रतिशत ही रह गया है। वहीं कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,82,017 हो गई है।

डाक्टर भी हुए सक्रमित– मंत्रालय के अनुसार सफदरजंग अस्पताल में 23, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में 15, आरएमएल में 11, एम्स के ट्रामा सेंटर में छह और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के चार रेजिडेंट डॉक्टर कोरोना संक्रमण की चपेट में आए हैं। इन पांचों को मिलाकर दिल्ली में करीब 59 डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी कोरोना संक्रमित मिले हैं। जबकि इन अस्पतालों में करीब 80 से ज्यादा स्वास्थ्य कर्मचारियों की रिपोर्ट आना बाकी है।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल कोरोना संक्रमित– दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट करके दी है। अपने ट्वीट में केजरीवाल ने लिखा है कि जो भी मेरे संपर्क में आए हैं वे अपना टेस्ट जरूर करवा लें।

दो दिन में 41.27 लाख किशोरों का वैक्सीनेशन– देश में तीन जनवरी से किशोरों के लिए टीकाकरण की शुरुआत हुई। देर रात 11 बजे तक 41.27 लाख किशोरों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लग गई है। टीके के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या 53 लाख को पार कर चुकी है।

ओमिक्रॉन वैरिएंट के केस 1,892 हुए– इस बीच ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले भी देश में तेजी के साथ बढ़ते जा रहे हैं। अब तक ओमिक्रॉन के मामले 1,892 हो चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 568 मामले महाराष्ट्र के हैं। इसके अलावा दिल्ली में भी अब तक 382 केस मिल चुके हैं। केरल में 185 और राजस्थान में 174 केस मिल चुके हैं। गुजरात में अब तक ओमिक्रॉन वैरिएंट के 152 मामले और तमिलनाडु में 121 केस मिल चुके हैं। इसके अलावा अन्य राज्यों में ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामलों की संख्या फिलहाल 100 से कम है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में ओमिक्रॉन वैरिएंट के अब तक 8 केस ही मिले हैं, जिनमें से 4 लोग रिकवर हो चुके हैं। इसके अलावा पंजाब, हिमाचल प्रदेश में एक-एक केस ही मिला था, जो रिकवर हो चुके हैं।

दिल्ली में लगा वीकेंड लॉकडाउन– दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। शनिवार और रविवार को पूरी दिल्ली में कर्फ्यू लागू रहेगा। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं लेकिन केजरीवाल सरकार किसी भी हालात से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसी के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने मंगलवार को कुछ अहम फैसले लिए हैं7 इन निर्णयों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली में नाईट कर्फ्यू के साथ अब हर शनिवार और रविवार को भी कर्फ्यू लागू होगा।

ओमिक्रॉन का पता लगाने वाली पहली स्वदेशी किट हुई तैयार

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की जांच के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने ओमीस्योर किट को मंजूरी दे दी है। ओमीस्योर किट को टाटा मेडिकल ने तैयार किया है।

ओमीस्योर टेस्ट किट अन्य आरटी-पीसीआर टेस्ट किट के जैसे ही काम करेगी। इस किट से जांच के लिए भी नाक या मुंह से स्वाब लिया जाएगा। फिर केवल 10 से 15 मिनट में जांच की फाइनल रिपोर्ट आ जाएगी जैसा कि अन्य आरटी-पीसीआर टेस्ट में होता है। ओमीस्योर से जांच का तरीका अन्य आरटी-पीसीआर टेस्ट से कुछ भी अलग नहीं होगा। आईसीएमआर की तरफ से टाटा मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड की ओमीस्योर को बीते 30 दिसंबर को ही मंजूरी मिल गई थी, लेकिन इसकी जानकारी आज मंगलवार को सामने आई है। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में ओमिक्रॉन संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,892 हो गई है। 568 मामलों के साथ महाराष्ट्र पहले स्थान पर बना हुआ है वहीं 382 मरीजों के साथ दिल्ली दूसरे स्थान पर है। 185 मामलों के साथ केरल तीसरे स्थान पर बना हुआ है। ओमिक्रॉन के 1,892 मरीजों में से 766 मरीज़ रिकवर हो गए हैं।

नए साल पर ड्रैगन को भारतीय सेना ने दिया कड़ा संदेश

» गलवान घाटी में फहराया तिरंगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। लद्दाख की गलवान घाटी में चीन को एक कड़ा संकेत देते हुए नए साल के मौके पर भारतीय सेना ने सीमा पर तिरंगा फहराया है। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें भारतीय सैनिकों को गलवान घाटी में बहादुरी से तिरंगा फहराते हुए देखा जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने तिरंगे के साथ गर्व से खड़े भारतीय सैनिकों की तस्वीरें ट्वीट करते हुए लिखा, नव वर्ष 2022 के अवसर पर गलवान घाटी में भारतीय सेना के बहादुर जवान। चीन के सरकारी मीडिया ने हालांकि चीनी पीएलए द्वारा अपने देश का झंडा फहराए जाने की तस्वीरें जारी की थीं। कुछ दिन पहले, चीनी मीडिया ने गलवान घाटी में चीनी सेना, पीएलए सैनिकों का एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उनके राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए देखा जा सकता है। जून 2020 में पूर्वी लद्दाख में दोनों सेनाओं के

बीच विवाद काफी बढ़ गया था। पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच एक हिंसक झड़प भी देखी गई थी। इसके बाद दोनों ही देशों के सैनिक अग्रिम स्थानों पर आमने-सामने की स्थिति में रहे। हालांकि गलवान घाटी अब एक विसैन्यीकृत क्षेत्र है और दोनों सेनाएं परस्पर सहमति के साथ विवादित स्थल से अलग हो गई हैं। मामले को सुलझाने के लिए सैन्य स्तर पर भी प्रयास किए गए और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अपने चीनी समकक्षों से मुलाकात की। गलवान घाटी में सैनिकों को पीछे हटाने को लेकर भारत और चीन के बीच कई सैन्य कमांडर स्तर की बैठकें हुई थीं।

प्रधानमंत्री ने इंफाल, मणिपुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंफाल, मणिपुर में आज लगभग 1,850 करोड़ रुपये की 13 परियोजनाओं का उद्घाटन किया और करीब 2,950 करोड़ रुपये की 9 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं सड़क अवसंरचना, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शहरी विकास, आवासन, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, कला और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों से संबंधित हैं।

प्रधानमंत्री ने 1700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्माण की जाने वाली पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने 75 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से एनएच-37 पर बराक नदी पर बने स्टील ब्रिज का उद्घाटन किया, जो सिलचर और इंफाल के बीच यातायात को आसान

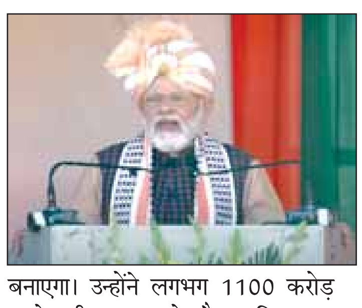

बनाएगा। उन्होंने लगभग 1100 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए 2,387 मोबाइल टॉवरों को भी मणिपुर के लोगों को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री ने 280 करोड़ मूल्य की थौबल बहुउद्देश्यीय परियोजना की जल प्रवाह प्रणाली का उद्घाटन किया, जिससे इंफाल शहर में पेयजल की आपूर्ति होगी। प्रधानमंत्री ने 65 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित जल आपूर्ति योजना और 51 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सेनापति जिला मुख्यालय जलापूर्ति योजना का विस्तार परियोजना का भी उद्घाटन किया, जिनसे क्रमशः तामेंगलोंग जिले की दस बस्तियों के निवासियों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा तथा उस क्षेत्र के निवासियों को नियमित जल आपूर्ति प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने इंफाल में लगभग 160 करोड़ रुपये की लागत से पीपीपी आधार पर निर्माण किए जाने वाले 'अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल' का शिलान्यास किया। उन्होंने कियामगेई में 200 बिस्तरों वाले कोविड अस्पताल का उद्घाटन किया, जिसे डीआरडीओ के सहयोग से लगभग 37 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है। उन्होंने इंफाल स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 170 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित तीन परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी); इंफाल नदी के पश्चिमी किनारे का विकास (चरण द्व) और थंगल बाजार में माल रोड का विकास (प्रथम चरण) शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से राज्य में बनने वाले सेंटर फॉर इन्वेंशन, इनोवेशन, इनक्यूबेशन एंड ट्रेनिंग (सीआईआईआईटी) की भी आधारशिला रखी। उन्होंने गुड़गांव, हरियाणा में 240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले मणिपुर इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स का भी शिलान्यास किया।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि अब से कुछ दिन बाद 21 जनवरी को मणिपुर को राज्य का दर्जा मिले, 50 साल हो जायेंगे।

अगले 7 दिनों तक जारी रहेगा सर्दी का सितम, पंजाब-हरियाणा-चंडीगढ़ में होगी बारिश

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तरपश्चिमी भारत में अगले एक हफ्ते तक कंपकपाने वाली ठंड से राहत मिलती नहीं दिख रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले सात दिनों तक उत्तरपश्चिम और मध्य भारत में बारिश के साथ ही ओले गिरने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि लगातार दो पश्चिमी विक्षोभों की वजह से बारिश जारी रहेगी और दिन के समय भी तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। हालांकि, इस दौरान शीतलहर चलने की संभावना न के बराबर है, जिससे देशवासियों को थोड़ी राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में मंगलवार से गुरुवार तक व्यापक से मध्यम वर्षा के साथ ही बर्फबारी होने का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के कुछ इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बुधवार को भारी बरसात और हिमपात की आशंका है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश के इलाकों में भी मंगलवार से गुरुवार के बीच हल्की बूंदाबांदी से लेकर मध्यम बारिश तक दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, एक अलग तेज पश्चिमी विक्षोभ के गुरुवार से उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है।

ऊर्जा मंत्री ने ऑटोमेटिक जेनरेशन कंट्रोल राष्ट्र को किया समर्पित

नई दिल्ली (आरएनएस)। विद्युत तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने सोमवार को ऑटोमेटिक जेनरेशन कंट्रोल (एजीसी) राष्ट्र को समर्पित किया। इस प्रणाली से आशा की जाती है कि वह 2030 तक 500 गीगावॉट की गैर-जीवाश्म आधारित ईंधन क्षमता का महत?वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने में सहायक होगी। एजीसी का संचालन पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपोरेशन (पॉसोको) द्वारा राष्ट्रीय भार प्रेषण केंद्र के जरिये किया जा रहा है। एजीसी के माध्यम से पॉसोको विद्युत प्रणाली की निरंतरता और विश्वसनीयता कायम रखने के लिये हर चार सेकंड पर बिजली संयंत्रों को संकेत भेजता है।

पांचवें पॉसोको दिवस पर आर.के. सिंह ने कहा कि भारत बड़े पैमाने वाले परिवर्तनीय और सविराम नवीकरणीय स्रोतों के एकीकरण के लिये तैयार है। इसके अलावा एजीसी निरंतरता नियंत्रण कायम रखने वाले प्रमुख माध्यमों में से एक है।

सिंह ने कहा कि पॉसोको के एजीसी परियोजना के तहत अब तक पांचों क्षेत्रों में 51 गीगावॉट की बिजली पैदावार क्षमता चालू हो गई है। यह भारतीय विद्युत प्रणाली की हर स्थिति का सामना करने की क्षमता में कई गुना सुधार लाने के लिये महत?वपूर्ण पड़ाव है।

एजीसी के जरिये राष्ट्रीय भार प्रेषण केंद्र विद्युत प्रणाली की निरंतरता और विश्वसनीयता कायम रखने के लिये हर चार सेकंड पर 50 बिजली संयंत्रों को संकेत भेजता है। इसके जरिये परिवर्तनीय और सविराम नवीकरणीय ऊर्जा की पैदावार को स्वमेव निरंतरता नियंत्रण जैसे अधिक कारगर तरीके से सुनिश्चित किया जा सकेगा।

आर.के. सिंह ने असेसमेंट ऑफ इनर्शा इन इंडियन पॉवर सिस्टम (भारती विद्युत प्रणाली में जड़ता का मूल्यांकन) नामक रिपोर्ट भी जारी की, जिसे आईआईटी, बॉम्बे के सहयोग से पॉसोको ने तैयार किया है। भारत में नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण के भारी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुये पॉसोको ने आईआईटी, बॉम्बे के साथ एक अध्ययन की शुरुआत की थी, ताकि विद्युत प्रणाली की जड़ता का अनुमान (जहां रोटेटिंग जेनरेटरों में ऊर्जा का भंडार होता है), पैमाइश और निगरानी के क्षेत्र में दुनिया भर के बेहतर तौर-तरीकों का जायजा लिया जा सके। इस अध्ययन के तहत भारतीय विद्युत प्रणाली के संदर्भ में एक व्यवस्था भी तैयार करने का लक्ष्य था।

सिंह ने कहा, वर्ष 2022 में 175 गीगावॉट नवीकरणीय बिजली क्षमता हासिल करने की दिशा में देश अग्रसर है, जिसके क्रम में हमने बड़ी पन-बिजली परियोजनाओं सहित 150 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल कर ली है। विभिन्न स्थानों पर 63 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लगाई जा रही है, जो अगले वर्ष तक पूरा हो जाने की संभावना है।

भारतीय विद्युत प्रणाली की चुनौतियों के बारे में सिंह ने कहा, पॉसोको को भावी चुनौतियों के लिये तैयार रहना होगा। उसे स्वच्छ ऊर्जा के हमारे राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करना है। भारतीय विद्युत सेक्टर बहुआयामी है। वहां मिश्रित ईंधन भी है, नवीकरणीय ऊर्जा भी है, ऊर्जा स्रोतों की भरमार है तथा सुरक्षा प्रणाली और हर परिस्थिति का सामना करने की चुनौतियां भी हैं।

उन्होंने कहा, विद्युत सेक्टर बदल रहा है। अब ग्रिड संचालन में संतुलन कायम रखने की जरूरत है क्योंकि नवीकरणीय ऊर्जा बड़ी चुनौती के रूप में उभर रही है। हमारे यहां कृषि क्षेत्र में भी सौर ऊर्जा का दखल होने लगा है। नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये उपभोक्ताओं की खपत के लिये बिजली पैदा होने लगेगी। हम यह भी देखेंगे कि उद्योग भी नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ मुड़ रहे हैं, जिसकी मात्रा साधारण उपभोक्ताओं से अधिक होगी। इन सब में संतुलन बैठाने के लिये हमें एक प्रणाली की जरूरत होगी।

महत्वपूर्ण एवं खास

पुलिस जीप में बेकाबू वाहन ने मारी जोरदार टक्कर, तीन जवानों की मौके पर मौत; दो की हालत गंभीर

पटना (आरएनएस)। बिहार के पटना में एक बेकाबू हाइवा द्वारा जोरदार टक्कर के बाद पुलिस की जीप पर पलट गया। हादसे में तीन पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा आज सुबह हुआ। हाइवा ने पुलिस की जीप को पीछे से टक्कर मारी। इसके बाद वह जीप पर पलट गया। हाइवा की चपेट में आने से जीप में सवार पांच पुलिसकर्मी उसमें दब गए। इनमें से तीन की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस की जीप में आग भी लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दमकल वाहनों ने आग बुझाई। बताया गया है कि जीप पटना के गर्दनीबाग पुलिस थाने की थी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन के नीचे फंसे जवानों को निकाला। गंभीर हालत में दो जवानों को अस्पताल ले जाया गया। तीन पुलिसकर्मियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मौके पर वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचे। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

सड़क हादसे में दंपति की मौत, पुत्र गंभीर

रुड़की (आरएनएस)। उत्तराखण्ड के रुड़की में मंगलौर-झबरेड़ा मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। उनका पांच साल का पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़ फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद के गांव मियानकी निवासी मोहतरम अली की शादी करीब 10 साल पहले मंगलौर क्षेत्र के टांडा भनेड़ा गांव में याकूब की पुत्री शबनम के साथ हुई थी। सोमवार की देर शाम को मोहतरम अली अपनी बाइक पर सवार होकर ससुराल पत्नी को लेने टांडा भनेड़ा गांव में आया था। मंगलवार दोपहर बाद वह अपनी पत्नी को लेकर अपने गांव मियानकी सहारनपुर जा रहा था। जैसे ही बाइक सवार दंपति झबरेड़ा रोड पर गांव गदरजुडड़ा-लाठरदेवा हुण के बीच पहुंचे तो झबरेड़ा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने पर बाइक सवार दंपति व उनका पांच वर्षीय पुत्र अयान सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवार दंपति को टक्कर मारने के बाद ट्रक सड़क किनारे खड़े पोल से जा टकराया। मौके पर राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाना शुरू किया, लेकिन मोहतरम अली (35) शबनम (32) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पांच वर्षीय पुत्र अयान गंभीर रूप से घायल है।

एनएमडीसी ने दिसंबर में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। इस्पात मंत्रालय के अधीन नेशनल मिनरल डेवलप्मेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएमडीसी) लगातार उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है। उसने दिसंबर, 2021 में 3.95 मीट्रिक टन लौह अयस्क का उत्पादन किया और 3.40 मीट्रिक टन लौह अयस्क की बिक्री की। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि में उत्पादन में सीमांत वृद्धि दर्ज की थी और अपनी शुरुआत के बाद किसी भी दिसंबर माह में अब तक सबसे अधिक उत्पादन किया था। वित्त वर्ष-22 के पहले नौ महीने के लिये समग्र उत्पादन और बिक्री के आंकड़े दिसंबर, 2021 तक क्रमशः 28.32 एमटी और 28.36 एमटी रहे। इस तरह एनएमडीसी का यह नौ महीने का अब तक सबसे शानदार प्रदर्शन है। कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 30 प्रतिशत की और बिक्री में 27 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। एनएमडीसी टीम को उसके शानदार प्रदर्शन पर बधाई देते हुये एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक सुमित देब ने कहा, वर्ष की शुरुआत में ही ऐसे ठोस नतीजे निरंतरता में देने के लिये मैं पूरी टीम को बधाई देना चाहता हूं। वर्ष 2022 में हमारी कई परियोजनायें पूरी होने के साथ आप एनएमडीसी बिलकुल नई कंपनी के रूप में देखेंगे, जिसकी बुनियाद मजबूत है और जो खनन प्रौद्योगिकियों से लैस है।